फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 3 प्रभात जयपुर, सोमवार 3 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Celebrating Love That Ripens with Time

Let me not to the marriage of true minds, Admit impediments. Love is not love, Which alters when it alteration finds, Or bends with the remover to remove

The Punganur Comeback

Petrarch and the Birth of Humanism

'जंतर मंतर के प्रदर्शनकारियों द्वारा भद्दी, गाली युक्त नारेबाजी को सरकार इतना भारी मुद्दा क्यों बना रही है?'

छात्र आंदोलनकर्ताओं के नेता का कहना है कि सरकार के इस प्रयास का एक ही मकसद है, पुलिस के बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज, पैलैट गन के हिंसक कारनामों की जवाबदेही से जनता का ध्यान बंटाना

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अगस्त। जंतर-मंतर पर 23 दिन तक भूख हड़ताल करने वाली ऑल इण्डिया स्टूडैन्ट्स एसोसिएशन (ए.आई.एस.ए.) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों की भाषा को लेकर हो रहे विवाद का इस्तेमाल, संसद मार्च के दिन पुलिस की कार्रवाई के लिए जवाबदेही के मुद्दे को दबाने के लिए किया जा रहा है।

केन्द्र सरकार के खिलाफ कई प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल की गई गाली-गलौज वाली भाषा के लिए माफी मांगने या उसकी निंदा करने से इनकार करते हुए, नेहा बोरा ने आलोचकों पर 20 जुलाई की कार्रवाई के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन और पुलिस बल के इस्तेमाल से ध्यान भटकाने की कोशिश का आरोप लगाया।

- **इन नेताओं ने निम्न स्तर की भाषा के उपयोग पर माफी मांगने व खेद व्यक्त करने से साफ इन्कार किया।**
- **प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब सत्ता पक्ष के नेताओं ने छात्र प्रदर्शनकारियों के बारे में सदन में तथा संसद के बाहर, बड़े निम्न स्तर के संबोधनों का उपयोग किया और कहा, ''छात्र बलात्कार प्रिय युवाओं व युवतियों का समूह हैं'', तो क्या यह आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं थी और इसके लिए क्या माफी मांगी गई थी और खेद प्रकट किया गया था।**
- **छात्र नेताओं का कहना है कि छात्र आंदोलनकारी माफी मांगकर, खेद व्यक्त करने का खेल नहीं खेल रहे हैं। क्योंकि मुख्य मुद्दा प्रदर्शनकारियों पर हिंसात्मक तरीके से कील जड़ी लाठियों से प्रहार करने व पैलैट गन से छात्रों को जख्मी करने का है। सरकार इस ध्येय से ध्यान बंटाकर, नारों की भाषा को मुद्दा बनाना चाहती है।**

एक समाचार एजेन्सी को दिए गए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों की भाषा को लेकर हो रहे विवाद का इस्तेमाल संसद मार्च के दिन पुलिस की कार्रवाई के लिए जवाबदेही के मुद्दे को दबाने के लिए किया जा रहा है।

प्रदर्शन खत्म होने के बाद से ही भाजपा आईटी सैल और भाजपा समर्थक संगठनों तथा लोगों द्वारा प्रदर्शनकारियों की कथित अभद्र भाषा वाले वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे हैं, जिसके बाद यह मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

ऐसी ही एक प्रदर्शनकारी रुचिका सिंह का उदाहरण देते हुए, जो 15 साल की लड़की है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपशब्दों वाली आलोचना के कारण विवाद के केंद्र में आ गईं और उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गईं, नेहा ने कहा कि इस किशोरी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई "चुनिंदा आक्रोश" (सिलैक्टिव आउटरेज) का मामला है।

छात्र नेता ने कहा, "आपको अपशब्दों का इस्तेमाल इतना बुरा लगता है। क्या आपको तब बुरा नहीं लगा जब धर्मेंद्र प्रधान ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों को "आतंकवादी" कहा था? क्या आपने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई? जब नितिन नबीन ने हमें वायरस कहा था, तब क्या किसी ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई?"

नेहा के अनुसार चर्चा भाषा पर नहीं, बल्कि प्रदर्शनकारियों को लगी चोटों पर होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, "सबसे पहले, जो लोग हमसे इन अपशब्दों के इस्तेमाल की निंदा करने को कहते हैं, उनसे मैं माफी चाहती हूं। हमें अफसोस है, लेकिन हम आपका यह खेल नहीं खेलेंगे। आप हमसे यह खेल इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि हम अमित शाह से जवाबदेही मांग रहे हैं। हम पुलिस आयुक्त से जवाब मांग रहे हैं। आपको लगता है कि छात्रों पर पैलैट गन चलाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेपी कोर कमेटी की बैठक 5 को

छत्रपति संभाजीनगर, 02 अगस्त। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में आंदोलन चलाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कोर कमेटी की अहम बैठक 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में होगी। बैठक में संगठन की आगे की रणनीति और भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके के आवास पर आयोजित होगी। इसमें

- **संगठन की आगे की रणनीति व भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा होगी।**

आंदोलन से जुड़े प्रमुख सदस्य हिस्सा लेंगे और पिछले आंदोलन के अनुभवों के साथ आगे की कार्ययोजना पर विचार करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले महीने चले करीब एक महीने लंबे आंदोलन के बाद संगठन ने अपने कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से कुछ समय परिवार के साथ बिताने को कहा था। साथ ही उन्हें छात्रों और स्वयंसेवकों से बातचीत कर उनके सुझाव जुटाने और 5 अगस्त की बैठक में उन्हें साझा करने के लिए कहा गया है। बैठक खत्म होने के बाद सीजेपी प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी।

इसमें संगठन अपनी आगामी रणनीति और आगे होने वाले आंदोलनों या कार्यक्रमों की घोषणा कर सकता है।

हमने हमला रोकने की गुजारिश नहीं की- ईरान

ट्रंप ने घोषणा की थी कि ईरान के आग्रह पर उन्होंने हमले रोक दिए हैं

तेहरान, 02 अगस्त। ईरान की ओर से कभी भी डॉनल्ड ट्रंप से हमले रोकने की गुजारिश नहीं की गई, ईरानी सेना पूरी मजबूती से लड़ रही है और लड़ती रहेगी। यह बात रविवार को ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने देश की सरकार और सेना के अधिकारियों के हवाले से कही है। यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस दावे का खंडन करते हुए आई है, जिसमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से नए हमले ना करने का आग्रह किया था। इसी गुजारिश पर डॉनल्ड ट्रंप ने हमले रोके हैं।

मेहर न्यूज एजेंसी ने सैन्य अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा, ईरान की सेना हाई अलर्ट पर है और किसी भी हालात का सामना करने के लिए तैयार है। डॉनल्ड ट्रंप का यह कहना है कि तेहरान ने वॉशिंगटन से नए हमले नहीं करने को कहा था, पूरी तरह से झूठ और बेबुनियाद है। यह उनके झूठों की संख्या को बढ़ाता है, जो उन्होंने लगातार बोले हैं।

डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उनकी आर्मी ईरान के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई कर सकती थी लेकिन तेहरान और खाड़ी के दूसरे देशों ने उनसे नए हमले रोकने का आग्रह किया। ऐसे में उन्होंने भी ईरान के साथ संभावित समझौते की कोशिश के दौरान उन्होंने हमलों को रोकने पर सहमति जताई थी।

- **राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ किसी भी समझौते के लिए होर्मुज़ को तुरंत पूरी तरह और बिना रोक-टोक खोलना जरूरी है।**
- **ईरानी मीडिया ने कहा कि होर्मुज़ पर उनके देश का स्टैंड बिल्कुल नहीं बदला है।**

डॉनल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ किसी भी समझौते के लिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य को तुरंत, पूरी तरह और बिना किसी रोक-टोक के खोलना जरूरी होगा। ईरानी मीडिया की ओर से अब कहा गया है कि ना तो उनकी फौज ने लड़ाई रोकने की गुजारिश की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नशे से परिवार, समाज व राष्ट्र कमज़ोर होता है- मोदी

प्रधानमंत्री की ''नशा मुक्त युवा'' राष्ट्रव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस में 28 हजार स्थानों पर एक करोड़ युवा जुड़े

नई दिल्ली, 02 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है लेकिन आपके करियर और फैमिली लाइफ को लो कर देता है। इसलिए हमें संकल्प लेना चाहिए कि हमारे युवा नशा और ड्रग्स के खतरों को समझकर जागरुक रहते हुए इससे दूर रहें।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया, जिसमें इस दौरान राष्ट्रव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 28 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवा जुड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नशे से परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति कमजोर पड़ जाती है। दुश्मन देश भी षड्यंत्र करके देश के युवाओं को नशे की लत में खींचने की कोशिश करते रहते हैं। ड्रग सप्लाई करके देश को तबाह करना भी आतंकी साजिश का हिस्सा होता है। इसलिए हमें हर एक युवा को नशे के चुंगल में फंसने से बचाना है।

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश भर में लाखों युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि अगले 100 रविवार कला, संस्कृति, खेल, ध्यान, आध्यात्म व सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।**

प्रधानमंत्री ने बताया कि देशभर के लाखों युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली है। उन्होंने बताया कि यह संकल्प अगले 100 सप्ताह तक लगातार आगे बढ़ेगा। इस दौरान प्रत्येक रविवार कला, संस्कृति, खेल, ध्यान, अध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम साबित होंगे।

प्रधानमंत्री ने नशा मुक्ति में योग, ध्यान और पुनर्वास के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह विधाएं व्यक्ति के अंतर्मन को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, यदि कोई युवा गलती से नशे की गिरफ्त में आ गया है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके सभी रास्ते बंद हो गए हैं। उचित सहयोग और उपचार से वह सामान्य जीवन में लौट सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरबीआई मौद्रिक समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 02 अगस्त। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 3 अगस्त से शुरू होकर पांच अगस्त तक चलेगी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली बैठक के निर्णय की

- **रैपो रेट यथावत् रहने की संभावना।**

जानकारी संजय मल्होत्रा 5 अगस्त को देंगे।

आर्थिक मामलों के जानकारों ने रविवार को बताया कि आरबीआई पश्चिम एशिया संकट और महंगाई के जोखिमों को देखते हुए इस बार भी अपने नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और उसे 5.25 फीसदी पर यथावत (अपरिवर्तित) रख सकता है।

केंद्रीय बैंक ने वृद्धि दर को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 1.25 फीसदी की कटौती की थी। आरबीआई वर्तमान रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा है।

जंतर मंतर पर छात्र प्रदर्शन में जैश ने आतंकी हमले की योजना बनाई थी

जैश के आतंकी हमीम मंडल व उसकी महिला मित्र अर्पिता सरकार से पूछताछ में कई खुलासे हुए

कोलकाता, 02 अगस्त। जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध आतंकी हमीम मंडल से पूछताछ में कई चौंकाने वाले राज़ फाश हुए हैं। बंगाल एसटीएफ के आइजी गौरव शर्मा ने बताया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर हाल में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की वर्दी पहनकर हमले की साजिश रची गई थी। हमीम वहां पहुंचा था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी सहित कई राजनेता व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी आतंकियों के निशाने पर थे। मुख्यमंत्री की गतिविधियों पर नज़र रखने और ऐसे स्थानों की जानकारी जुटाने का जिम्मा हमीम को ही दिया गया था। भाजपा विधायक एवं मंत्री उमेश राय के पुत्र के अपहरण और फिरौती की साजिश की जांच के दौरान इस नेटवर्क का पता चला था।

- **बंगाल एसटीएफ की जाँच के अनुसार, मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी सहित कई राजनेता व वरिष्ठ अधिकारी आतंकियों के निशाने पर थे। मंत्री उमेश राय के पुत्र के अपहरण के मामले में जाँच के दौरान इस आतंकी नेटवर्क की जानकारी मिली।**

एसटीएफ ने हमीम की महिला मित्र अर्पिता सरकार को झारखंड के साहिबगंज से गिरफ्तार किया है। एसटीएफ का दावा है कि अर्पिता संदिग्ध आतंकी माड्यूल की सक्रिय सदस्य है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, अर्पिता करीब चार वर्ष पहले इंटरनेट मीडिया के माध्यम से हमीम के संपर्क में आई थी। आरोप है कि वह उसके निर्देश पर विभिन्न गतिविधियों में सहयोग करती थी। इनमें लोगों को हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश, मोबाइल नंबर जुटाना, व्यक्तियों एवं घरों की तस्वीरें एकत्र करना तथा रेकी करना शामिल है।

ट्रांजिट रिमांड पर बद्धर्मान लाकर अदालत में पेश करने पर उसे 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अब हिरासत में हमीम व अर्पिता को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जाएगी।

अर्पिता के भी पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क से सीधे संपर्क के संकेत मिले हैं। हमीम और अर्पिता इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से किन विदेशी हैंडलरों के संपर्क में थे और बंगाल और झारखंड के रास्ते संदिग्ध फंडिंग कैसे पहुंचाई जाती थी, एसटीएफ इसकी भी जांच कर रही है।

मालूम हो कि बंगाल एसटीएफ ने गत गुरुवार को पूर्व बद्धर्मान के एक आवासीय परिसर के जिम से हमीम को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ का दावा है कि वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, कुख्यात गैंगस्टर शहजाद भट्टी और पुलवामा हमले के आरोपित सज्जाद भट्ट के संपर्क में था।

शेख हसीना पहली बार दिल्ली में मीडिया से बात करेंगी

नई दिल्ली, 02 अगस्त। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पहली बार भारत में मीडिया के सामने आने वाली हैं। बांग्लादेश में छात्रों के बड़े पैमाने पर हुए विरोध-प्रदर्शन के बीच उनकी सरकार के सत्ता से हटने के लगभग दो साल बाद यह कार्यक्रम हो रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली में फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया (एफसीसी साउथ एशिया) की ओर से वर्चुअली किया जाएगा। इसमें हसीना के अपने भविष्य की योजनाओं और बांग्लादेश लौटने की योजना के बारे में बात करने की उम्मीद है। बता दें कि शेख हसीना एफसीसी नहीं पहुंचेंगी। वे वर्चुअली जुड़ेंगी।

- **वे फॉरेन कॉरेस्पॉन्डेन्ट्स क्लब के कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ेंगी।**

यह बातचीत 5 अगस्त 2026 को शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक नई दिल्ली में मथुरा रोड पर स्थित सर मार्क टली ऑडिटोरियम में होगी और क्लब के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी लाइव स्ट्रीमिंग भी की जाएगी। यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान में पुलिस स्टेशन पर आत्मघाती हमला

इस्लामाबाद, 02 अगस्त। पाकिस्तान के स्वात जिले में पुलिस स्टेशन के बाहर हुए आत्मघाती बम धमाके में 14 लोगों की मौत हो गई है और 18 घायल हो गए हैं।

स्वात जिले के पुलिस अधिकारी उमर खान ने डॉन न्यूज को बताया कि

- **बम धमाके में 14 की मौत 18 घायल।**

जब पुलिसकर्मियों ने स्टेशन के गेट पर हमलावर को रोकने और उसकी तलाशी लेने की कोशिश की, तो उसने विस्फोटक में धमाका कर दिया।

सुरक्षाबलों ने तुरंत इस इलाके की घेराबंदी कर दी और जांच शुरू कर दी। यह धमाका पुलिस स्टेशन के पास तब हुआ जब सैकड़ों लोग स्वात घाटी में हाल ही में बढ़े आतंकवाद के विरोध में पास के काबल चौक पर प्रदर्शन कर रहे थे।

भारत के क्लीन एनर्जी उत्पादन की क्षमता में एक बड़ा फैक्टर रेडियोएक्टिव वेस्ट भी है

प्रति मेगावाट बिजली जनरेशन में न्यूक्लियर पावर प्लांट, 150 लीटर रेडियोएक्टिव वेस्ट भी बनाता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अगस्त। हर बार जब कोई परमाणु बिजलीघर बिजली पैदा करता है, तो उसके साथ ऐसा कचरा भी निकलता है जिसे सामान्य कचरे की तरह फेंका नहीं जा सकता।

कोयले से चलने वाले बिजलीघरों के कचरे के विपरीत, रेडियोधर्मी (रेडियोएक्टिव) कचरे को सावधानीपूर्वक प्रोसैस, मॉनिटर और स्टोर करना पड़ता है, ताकि उससे लोगों या पर्यावरण को कोई खतरा न हो।

इस पूरी प्रक्रिया का अधिकांश हिस्सा आम लोगों की नजर से दूर होता है। यही वजह है कि परमाणु कचरा देश की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा का सबसे कम समझा जाने वाला हिस्सा है।

- **इस रेडियोएक्टिव वेस्ट को जानी-मानी सुपरिचित प्रक्रिया से, निष्क्रिय व कम हानिकारक बनाकर सीमेंट कंकरीट की ट्रैंच (खाइयों) में दफन किया जाता।**
- **इन खाइयों की ''लोकेशन'' का बृहत् नक्शा बनाकर, चौबीस घंटे, सालों तक पहरेदारी में रखा जाता है, जिससे ''रेडियोएक्टिव'' मेटेरियल वातावरण में समय से पूर्व रिलीज न हो जाए।**
- **काफी सख्त ''कण्डीशन्स'' का निर्वहन करते हुए, न्यूक्लियर एनर्जी की क्षमता में इज़ाफा किया जाता है।**
- **जिस अनुपात में क्लीन एनर्जी का जनरेशन बढ़ता है, उसी अनुपात में रेडियाऐक्टिव वेस्ट के मैनेजमैंट का ''फूल प्रूफ'' इंतजाम भी लाजमी है। जिसके लिए प्रशिक्षित स्टाफ, कर्मचारी, इंजीनियर्स व साजोसामान उपलब्ध होना जरूरी है। इसलिए यह एक महत्वपूर्ण लिमिटेशन है कि किस गति से क्लीन एनर्जी का जनरेशन बढ़ा सकता है भारत।**

तथापि, सरकार ने अब पहली बार यह जानकारी दी है कि भारत इस अदृश्य बाय प्रोडक्ट (उप उत्पाद) को कैसे मैनेज करता है।

संसद में पूछे गए एक सवाल के जवाब में परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने बताया कि भारत के परमाणु बिजलीघर हर वर्ष प्रति मेगावाट (मेगावाट) क्षमता पर लगभग 0.15 क्यूबिक मीटर रेडियोएक्टिव सॉलिड कचरा पैदा करते हैं। इसमें बिजलीघर के संचालन के दौरान और उसके बंद करने (डीकमिशनिंग) के समय पैदा होने वाला कचरा भी शामिल है।

यदि इसे आसान भाषा में समझें, तो 0.15 क्यूबिक मीटर लगभग 150 लीटर के बराबर होता है, जो सामान्य घरों में इस्तेमाल होने वाले लगभग डेढ़ बाथटब के बराबर है। यह मात्रा किसी परमाणु बिजलीघर की प्रति मेगावाट उत्पादन क्षमता के हिसाब से हर वर्ष की है।

विभाग ने यह भी बताया कि रेडियोएक्टिव कचरे के निपटान (डिस्पोज़ल) की मात्रा और उसके निपटान के स्थान का रिकॉर्ड नियमित रूप से भारत के एटॉमिक एनर्जी रैगुलेटरी बोर्ड (एईआरबी) के पास जमा कराया जाता है। जो भारत का न्यूक्लियर सेफ्टी रैगुलेटर है।

जैसे-जैसे भारत बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए परमाणु ऊर्जा का विस्तार करने की योजना बना रहा है, उम्मीद है कि ध्यान केवल बिजली उत्पादन ही नहीं, बल्कि अरबों लोगों तक बिजली पहुंचाने के बाद बचने वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)